

प्रेषक,

पी०के० महान्ति

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता

ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पंचायती राज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण अनुभाग

देहरादून

दिनांक

15/7/2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु शेष बजट अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 62/XII/2007/83(04)/2003 दिनांक 30 मार्च, 2007 के क्रम में मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अन्तर्गत कुल रु० 7,08,95,000-00 (रु० सात करोड़ छः लाख पच्चीस हजार मात्र) निम्नलिखित वचनबद्ध मानक मदों में व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

धनराशि (हजार रुपये में)

क्र.सं.	मानक मद	वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में बजट प्राविक्रम (हजार रुपये में)	शासनादेश संख्या 62/XII/2007/83(04)/2003 दिनांक 30 मार्च 2007 के द्वारा अवमुक्त धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि (हजार रुपये में)
1	01-वेतन	47000	17460	29540
2	02-मजदूरी	606	236	370
3	03-महागाई भत्ता	28200	9166	19034
4	04-यात्रा व्यय	1500	500	1000
5	06-अन्य भत्ते	5170	2134	3036
6	08-कार्यालय व्यय	2000	667	1333
7	09-विद्युत दंड	300	217	83
8	10-जलकर/जल प्रभार	83	83	-
9	13-टेलीफोन पर व्यय	350	167	183
10	15-गाड़ियों का अनुसंधान एवं मरम्मत व्यय की श्रेणी	1500	500	1000
11	17-किराया उपयुक्त और घर स्वामित्व	610	264	346
12	48-महागाई वेतन	23500	8730	14770
	योग	110819	40124	70695

(रु० सात करोड़ छः लाख पच्चीस हजार मात्र)

2 उक्त धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया जावेगा तथा सम्यन्धित अधिष्ठान हेतु आवश्यकतानुसार फॉन्ट अपने स्तर से किया जाय।

3 उक्त आवंटित धनराशि का आवरण एक मुद्रत न कर आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारणी बनाकर ही किया जाय।

4. इसे केवल चालू कार्यों के लिए ही व्यय किया जायेगा ।
5. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/ जारी होने वाले मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रखा जाय
6. निर्माण कार्य एवं सानग्री कय हेतु धनराशि व्यय करने से पूर्व वित्तीय नियमों के अन्तर्गत आगणन इत्यादि पर सक्षम अधिकारी से प्रशासनिक/ प्राविधिक स्वीकृति आवश्यक प्राप्त कर ली जाय तथा धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार वित्तीय नियमों के अन्तर्गत ही किया जाय ।
7. उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संकलित सूचना प्रपत्र-बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 7 वीं तिथि तक शासन को उपलब्ध करा दी जाय ।
8. वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि की सीमा तक ही व्यय किया जाय ।
9. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम विकास कार्यक्रम-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-03 ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा ।
10. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 599/XXVII(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई 2007 के द्वारा प्रदत्त प्राधिकारों के अन्तर्गत जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय,
(पी0क0 महान्ति)
सचिव ।

संख्या 124 /XII/07/83(04)/2003 तद् दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1 महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून ।
- 2 वरिष्ठ कोषाधिकारी/समस्त कोषाधिकारी उत्तराखण्ड ।
- 3 समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
- 4 निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड देहरादून ।
- 5 निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून ।
- 6 निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ ।
- 7 वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन ।
- 8 बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून ।
- 9 गार्ड फाईल

आज्ञा से,
(जे0पी0जोशी)
उप सचिव ।